रणजीत टाइम्स

इंदौर

सोमवार, 20 अप्रैल, 2026

वर्ष 02 | अंक 99 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

इंदौर मेट्रो पर लगा सियासी ब्रेक

उद्घाटन की तारीख अभी भी अटकी, 17 KM का ट्रैक हुआ तैयार

इंदौर। इंदौर के लोगों का मेट्रो में सफर करने का इंतजार अभी खत्म नहीं हुआ है। हालांकि गांधीनगर से रेडिसन चौराहे तक करीब 17 किलोमीटर का मेट्रो रूट पूरी तरह तैयार है और सुरक्षा मंजूरी भी मिल चुकी है। इसके बावजूद मेट्रो का संचालन शुरू नहीं हो पाया है। वजह उद्घाटन कार्यक्रम की तारीख तय न होना बताई जा रही है। दरअसल मेट्रो प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक 26 मार्च को ही कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेल सेफ्टी ने इस रूट पर मेट्रो संचालन के लिए क्लियरेंस दे दिया था। इसके बाद उम्मीद थी कि जल्द ही आम लोगों के लिए मेट्रो सेवा शुरू हो जाएगी। शहर में चर्चा थी कि रामनवमी या हनुमान जयंती के मौके पर मेट्रो की शुरुआत हो सकती है लेकिन दोनों ही मौके गुजर गए और मेट्रो स्टेशन अब भी खाली पड़े हैं।

इंदौर मेट्रो उद्घाटन में क्यों हो रही देरी?

रिपोर्ट के मुताबिक इंदौर मेट्रो के संचालन के लिए अब अंतिम मंजूरी उच्च स्तर से आनी बाकी है। राज्य सरकार की ओर से प्रस्ताव प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजा गया है। इसमें यह सुझाव दिया गया है कि मेट्रो का उद्घाटन प्रधानमंत्री द्वारा वर्चुअली किया जाए या फिर केंद्र सरकार का कोई मंत्री इंदौर आकर इसका शुभारंभ करे। इसी वजह से कार्यक्रम की तारीख तय नहीं हो पा रही है। बताया जा रहा है कि फिलहाल पांच राज्यों में चल रहे चुनाव भी इस देरी की एक वजह हैं। राजनीतिक कार्यक्रमों और चुनावी व्यस्तता के कारण मेट्रो के उद्घाटन का फैसला टलता जा रहा है। इस रूट पर कुल कई प्रमुख स्टेशन बनाए गए दरअसल मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देश

के बाद मेट्रो के निर्माण और सुरक्षा से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं समय पर पूरी कर ली गई थीं। तकनीकी तौर पर मेट्रो चलाने में कोई रुकावट नहीं है। लेकिन उद्घाटन कार्यक्रम के बिना इसे शुरू नहीं किया जा सकता। इंदौर मेट्रो का पहला चरण शहर के व्यस्त इलाकों को जोड़ने के लिए बनाया गया है। वहीं इस रूट पर कुल कई प्रमुख स्टेशन बनाए गए हैं, जिनमें सुपर कॉरिडोर, भोरासला चौराहा, एमआर-10 रोड, आईएसबीटी, चंद्रगुप्त चौराहा, हीरा नगर, बापट चौराहा, मेघदूत गार्डन, विजय नगर चौराहा और मालवीय नगर चौराहा जैसे इलाके शामिल हैं। जानकारी दे दें कि यह रूट खास तौर पर आईटी पार्क, एयरपोर्ट रोड और शहर के कमर्सिअल क्षेत्रों को जोड़ता है। वहीं इंदौर के सांसद शंकर लालवानी ने भी कहा है कि मेट्रो का संचालन कब शुरू होगा, इसका अंतिम फैसला सरकार के स्तर पर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय इस कार्यक्रम की योजना बना रहा है और कोशिश की जा रही है कि जल्द ही लोगों को मेट्रो की सुविधा मिल सके।

इंदौर में थाने के सामने चल रहा था IPL पर सट्टा, 10 लाख रुपये कैश और एक करोड़ का ट्रांजेक्शन मिला

इंदौर। मुख्य आरोपित के मोबाइल में एक करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन मिला है। एसीपी पराग सैनी के मुताबिक आरोपी आकाश पुत्र दिनेश जिंदल निवासी कंचन नगर नीमच और प्रियांश पुत्र पंकज जैन निवासी जैन कालोनी नीमच हैं। दोनों को विजयनगर थाने के सामने स्थित इंदौर विकास प्राधिकरण के खाली मैदान से पकड़ा है। आरोपी कार (एमपी-44-जेडी-4034) में बैठकर सट्टा लगा रहे थे। तलाशी के दौरान पुलिस को कार से 10 लाख रुपये नकदी, छह मोबाइल मिले। मुख्य आरोपी आकाश जिंदल है। उसने पावर ड्रीम की आईडी ले ली थी। कार में ही बैठकर ऑनलाइन सट्टा लगा लेते थे। पुलिस को चकमा देने के लिए महालक्ष्मी नगर में किराए से मकान भी ले लिया था। शुक्रवार रात दोनों सट्टा लगाते हुए शराब खरीदने आए थे। निरीक्षक मीना बौरासी को खबर मिली और एसआई अजयसिंह कुशवाह ने पकड़ लिया। एसीपी के मुताबिक आरोपी आकाश के मोबाइल पर एक करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन मिला है।

इंदौर में हिंदू युवती को नशे की लत लगाकर किया दुष्कर्म, कलमा पढ़ने और मुस्लिम बनाने की कोशिश

इंदौर। शहर के प्रतिष्ठित कॉलेज की छात्रा लव जिहाद का शिकार हो गई। मुस्लिम युवक ने हिंदू बनकर नशे की लत लगा दी। युवती के आपत्तिजनक फोटो खींच और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करता रहा। कलमा पढ़ाकर मुसलमान बनाने की कोशिश की। शनिवार को पीड़िता ने हिंदू संगठन की मदद लेकर रिपोर्ट लिखवाई।

मूलतः छिंदवाड़ा निवासी 19 वर्षीय पीड़िता कनाड़िया रोड स्थित एक होस्टल में रहती है। वह निजी कॉलेज में बीएससी की छात्रा है। उसने पुलिस को बताया कि करीब एक साल पूर्व स्कीम-78 स्थित एक कैफे में राहुल नामक युवक से मुलाकात हुई थी। दोनों ने नंबर साझा किए और फोन पर बात होने लगी। बीएससी की छात्रा है। उसने पुलिस को बताया कि करीब एक साल पूर्व स्कीम-78 स्थित एक कैफे में राहुल नामक युवक से मुलाकात हुई थी। दोनों ने नंबर साझा किए और फोन पर बात होने लगी।

नशे की हालत में संबंध बनाए और वीडियो भी रिकॉर्ड कर लिया

एक बार वह घुमाने के बहाने चिड़ियाघर ले गया और नशीला पदार्थ पिलाया। उसने कहा कि इस शहर में तुम्हारा कोई नहीं है। मैं अपने माता-पिता से मिलवा देता हूं। आरोपी अशर्फी नगर (खजराना) ले गया और नशे की अवस्था में उसके साथ संबंध बनाए। उसके फोटो और वीडियो भी बना लिए।

जिला पंचायत सीईओ कौर ने ऑनलाइन पारिवारिक जानकारी स्व-गणना पोर्टल में की दर्ज

30 अप्रैल तक,स्व-गणना हेतु घर बैठे भरें ऑनलाईन पारिवारिक जानकारी, जनगणना कार्य में लगे लोकसेवकों का करें सहयोग-कौर

जानकारी की सटीकता, पारदर्शिता, गोपनीयता, सुविधा और समय की बचत के साथ-साथ जनगणना कार्य में तेजी लाने जरूरी है सेल्फ एन्यूमरेशन और हर एक नागरिक की सहभागिता एसीईओ श्री मोदी और जनपद पंचायतों के सीईओ ने भी की स्व-गणना

नवल किशोर कुशवाहा

कटनी । 'स्व-गणना' (सेल्फ एन्यूमरेशन) पोर्टल पर जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने स्वयं की और पारिवारिक जानकारी आज शुक्रवार को प्रविष्ट की। सुश्री कौर ने स्व-गणना पोर्टल पर मोबाइल नंबर एवं कैप्चा के माध्यम से पंजीकरण किया। ओटीपी सत्यापन के बाद उन्होंने लॉगिन कर परिवार से संबंधित सभी आवश्यक विवरण डिजिटल रूप से दर्ज किए। जानकारी सबमिट करने के पश्चात विशिष्ट स्व-गणना आईडी प्राप्त हुई, जिसे उन्होंने सुरक्षित रख लिया। इस प्रक्रिया के दौरान जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी श्री प्रफुल्ल श्रीवास्तव मौजूद रहे। उन्होंने कार्यालय अधिकारियों-कर्मचारियों को स्वगणना की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी एवं तत्सम्य उत्पन्न प्रश्नों और जिज्ञासा का समाधान किया।

सेल्फ एन्यूमरेशन (स्व-गणना) क्यों है जरूरी

जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि ऑनलाइन सेल्फ एन्यूमरेशन करने से जानकारी की सटीकता, पारदर्शिता, गोपनीयता, सुविधा और समय की बचत एवं जनगणना कार्य में तेजी और अधिकारियों-कर्मचारियों की कुशलता को बढ़ावा मिलेगा। स्व-गणना कार्य में हर नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस आईडी के माध्यम से जनगणना प्रक्रिया सरल एवं सुगम हो जाएगी। 1 मई से 30 मई के बीच जब प्रगणक घर-घर पहुंचेंगे, तब नागरिकों को केवल यह आईडी बतानी होगी, जिससे पहले से भरी गई जानकारी का सत्यापन करने में सुविधा होगी और समय की बचत होगी। जिले में 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक ऑनलाइन स्व-गणना का कार्य संचालित किया जा रहा है। इसके पश्चात 1 मई से 30 मई तक मकान सूचीकरण की प्रक्रिया पूर्णतः डिजिटल माध्यम से की जाएगी। जिला पंचायत सीईओ ने नागरिकों से अपील करते हुये कहा कि "जनगणना देश के विकास की नींव है। नागरिक https://se.census.gov.in पोर्टल पर जाकर स्वयं अपनी जानकारी दर्ज करें और जनगणना हेतु अधिकृत रूप से नियुक्त अधिकारियों कर्मचारियों का सहयोग करें।"

एसीईओ श्री मोदी और जनपद पंचायतों के सीईओ ने भी की स्व-गणना

स्व-गणना कार्य को प्रथम दिवस जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अनुराग मोदी एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों ने भी सफलता पूर्वक अंजाम दिया। जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ के सीईओ ब्रतेश जैन, कटनी के प्रदीप सिंह, बड़वारा की प्रभा तेकाम ने भी पारिवारिक जानकारी दर्ज कराकर जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कराई।

सुरक्षित बैंकिंग के लिए कटनी पुलिस अलर्ट, जिलेभर में बैंक/एटीएम की गहन चेकिंग

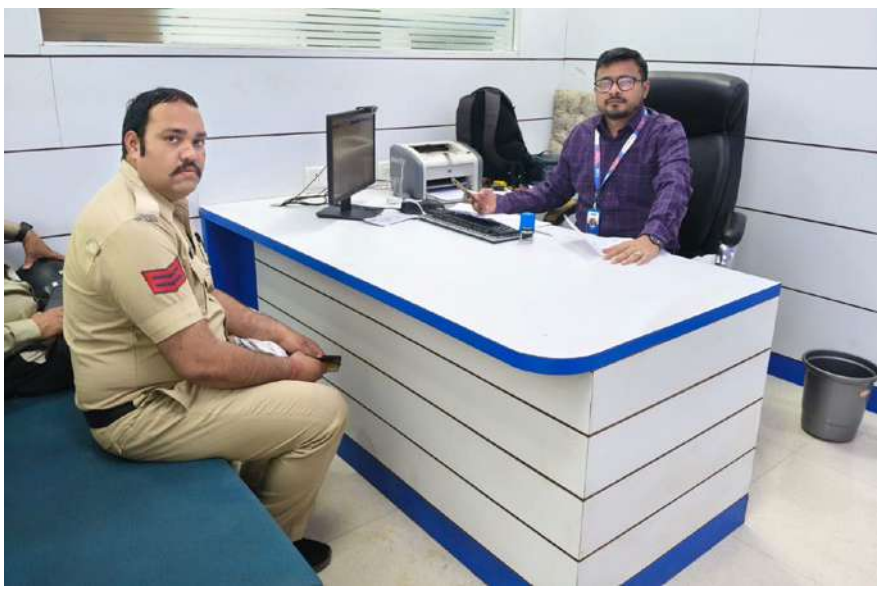

नवल किशोर कुशवाहा

कटनी । जिले में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा बैंकिंग एवं साइबर धोखाधड़ी की रोकथाम के उद्देश्य से कटनी पुलिस अधीक्षक, अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया के मार्गदर्शन में कटनी पुलिस द्वारा जिले के विभिन्न बैंक एवं एटीएम परिसरों में सघन सुरक्षा जांच अभियान चलाया अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा बैंक परिसरों का विस्तृत निरीक्षण किया गया। इसमें मुख्य प्रवेश द्वार, एटीएम कक्ष, काउंटर क्षेत्र एवं पार्किंग स्थल का भौतिक सत्यापन शामिल रहा। साथ ही बैंक प्रबंधन को सुरक्षा से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, जिनमें सीसीटीवी कैमरों की नियमित मॉनिटरिंग अलार्म सिस्टम की कार्यशीलता सुनिश्चित करना सुरक्षा गार्डों की सतर्क तैनाती जैसे महत्वपूर्ण बिंदु प्रमुख रूप से शामिल रहे। इसके अतिरिक्त बैंक में उपस्थित ग्राहकों को भी सुरक्षित लेन-देन के लिए जागरूक किया गया। उन्हें किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने तथा साइबर एवं बैंकिंग धोखाधड़ी से सतर्क रहने की सलाह दी गई। कटनी पुलिस द्वारा यह अभियान आमजन की सुरक्षा, सुरक्षित बैंकिंग व्यवस्था तथा अपराध मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने हेतु लगातार संचालित किया जा रहा है। पुलिस प्रशासन द्वारा सभी नागरिकों से सहयोग, सतर्कता एवं जागरूकता बनाए रखने की अपील की गई है, ताकि किसी भी आपराधिक गतिविधि को समय रहते रोका जा सके।

रासलीला मनुष्य और प्रभु के मिलन की लीला है :- हरिओम जी महाराज

कृष्ण रुक्मणी का हुआ विवाह फूलों की खेली होली

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर :- ग्वालियर दौलतगंज स्थित राजा बाक्षर मंदिर पर चल रहे उर्स शताब्दी समारोह द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन प्रसिद्ध कथा वाचक हरिओम जी महाराज ने कहा की पूर्व जन्म में सुखदेव जी तोता थे एवं भागवत में श्री राधा जी का नाम कहीं नहीं आता क्योंकि सुखदेव जी की गुरु राधा जी ही हैं उन्होंने कहा की रासलीला कम विजय की लीला है भगवान श्री कृष्ण द्वारा वृंदावन में गोपियों के साथ महा रास काम को जीतकर भक्ति में बदलने का संकेत देता है उन्होंने कहा सर्वेश्वर भगवान श्री कृष्ण ने ब्रज में अनेकानेक बाल लीलाएं की जो वात्सल्य भाव के उपासकों के चित्त को अनायास ही आकर्षित करती है जो भक्तों के पापों का हरण कर लेते हैं वही श्री हरि है हरिओम जी महाराज ने कहा की नंदालय में गोपियों का तांता लगा रहता है हर गोपी भगवान से प्रार्थना करती है कि किसी न किसी बहाने कन्हैया मेरे घर पधारे जिसकी भगवान के चरणों में प्रगाढ़ प्रीति है वही जीवन मुक्त है एक बार माखन चोरी करते समय मैया यशोदा आ गई तो कन्हैया ने कहा की मैया तुमने इतनी मणिमय आभूषण पहना दिए हैं जिससे मेरे हाथ गर्म हो गए हैं तो माखन की हांडी में हाथ डालकर इन हाथों को शीतलता प्रदान कर रहा हूं उन्होंने कहा की महारास में पांच अध्याय हैं उनमें गए जाने वाले पंच गीत भागवत के पंच पुराण है महाराज श्री ने कथा में भगवान का मथुरा प्रस्थान कंस वध महर्षि सांदीपनी के आश्रम में विद्या ग्रहण करना उद्धव गोपी संवाद द्वारका की स्थापना रुक्मणी विवाह के प्रसंग का संगीत

में भावपूर्ण चित्रण किया आस्था और विश्वास के साथ भगवत प्राप्ति आवश्यक है भगवत प्राप्ति के लिए निश्चय और परिश्रम भी जरूरी है भगवान श्री कृष्ण रुक्मणी के विवाह की झांकी ने सबका मन मोह लिया भगवान श्री कृष्ण की बारात बैंड बाजों एवं आतिशबाजी के साथ निकाली गई कृष्ण रुक्मणी विवाह पर फूलों की होली भी खेली गई कथा व्यास जी ने कहा जो भक्त प्रेमी कृष्ण रुक्मणी के विवाह उत्सव में शामिल होते हैं उनके वैवाहिक समस्या हमेशा के लिए समाप्त हो जाती है जीव परमात्मा का अंश है श्री कृष्ण रुक्मणी विवाह ज्ञान भक्ति और प्रेम का अद्भुत संगम है उन्होंने कहा अपने कुटुंब के लिए कौवा कुत्ता भी जीता है परंतु जो ईश्वर के लिए जीता है उसी का जीवन सार्थक माना जाएगा कथा के अंत में परीक्षित श्रीमती रमा संतोष कृतिका अंकित रेनू गगन अग्रवाल मंदिर के महंत तरुण सूर्यवंशी सुनील सूर्यवंशी अजय दुबे प्रताप शर्मा गगन यादव अंकित कुकरेजा योगेश बेदोरिया हिरेंद्र सूर्यवंशी बाबूलाल चौरसिया मनी रामपाल रामबाबू अग्रवाल सहित अनेक लोगों ने श्रीमद् भागवत महापुराण की आरती की आरती को उपरांत प्रसादी वितरण किया गया

रणजीत टाइम्स

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मोहनखेड़ा महातीर्थ में आदिराज पारणा महोत्सव में की सहभागिता

पारणोत्सव में मुख्यमंत्री का उपवास, संस्कार और सेवा का संगम का संदेश। मोहनखेड़ा महातीर्थ पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, किए दर्शन

दिलीप पाटीदार

धार मुख्यमंत्री ने कहा कि अनेक योनियों के पश्चात मानव शरीर की प्राप्ति होती है, जो पंचतत्वों से निर्मित है। इस शरीर को संस्कारित करने के लिए उपवास एक श्रेष्ठ माध्यम है। आज अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर पारणोत्सव के माध्यम से इस जीवन को पुण्य संचयन से जोड़ने का यह अवसर अत्यंत पावन और कल्याणकारी है। ऐसे उत्सवों में सहभागिता से मानव जीवन धन्य हो जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज मोहनखेड़ा महातीर्थ में आयोजित आदिराज पारणा महोत्सव (वर्षीतप पारणा महोत्सव) में यह बात कही। आदिराज पारणा महोत्सव (वर्षीतप पारणा महोत्सव) का भव्य एवं आध्यात्मिक आयोजन गच्छाधिपति श्रीमद विजय नित्यसेन सुरीश्वरजी महाराज साहब की पावन निश्रा में संपन्न हुआ। आयोजन के दौरान 550 से अधिक तपस्वियों का पारणा अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर विधिवत संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कि जैसे चराचर जगत में सूर्य ऊर्जा का संचार करता है, उसी प्रकार मानव जीवन में गुरुदेव सूर्य के समान मार्गदर्शक होते हैं। जीवन में अनेक प्रकार के भटकाव आते हैं, किन्तु अच्छे और बुरे का अंतर समझाने का कार्य गुरुदेव ही करते हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुदेव आचार्य श्री राजेन्द्र सूरी जी महाराज के आशीर्वाद से ही सरकार भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना के संवर्धन के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मानव अपने संस्कारों को न भूले और आदिकाल से चली आ रही सनातन संस्कृति से जुड़ा रहे। जीवन में पाने से अधिक आनंद देने में है, इसी उद्देश्य के साथ सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जनजातीय अंचल में गुरुदेव के आगमन से नई चेतना का संचार हो रहा है। गुरुदेव के इंदौर में चातुर्मास आगमन पर राज्य सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा। साथ ही, उनके आशीर्वाद से शासन के कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से पूर्ण करने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन स्तर पर सामाजिक चेतना के विकास हेतु अनेक कार्य किए जा रहे हैं। गौशालाओं में प्रति गाय अनुदान राशि 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये की गई है। दुग्ध उत्पादन और प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देने के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। गरीबों के जीवन स्तर में सुधार और उनके उत्थान के लिए सरकार संकल्पित होकर कार्य कर रही है। गच्छाधिपति पूज्य श्रीमद विजय नित्यसेन सुरीश्वरजी महाराज साहब ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब मानव के मन में धर्म का अंश जागृत होता है, तभी वह इस प्रकार के पुण्य आयोजनों में सहभागी बनता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आगमन पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वे प्रदेश सेवा के लक्ष्य को लेकर निरंतर आगे बढ़ें, उनका आशीर्वाद सदैव साथ है।

इस अवसर पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में विरासत के गौरव को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ-साथ किसान, महिला, युवा और गरीब वर्ग के कल्याण हेतु सतत कार्य कर रही है।

मोहनखेड़ा महातीर्थ में किए दर्शन

कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रसिद्ध मोहनखेड़ा महातीर्थ में पहुंचकर विधिवत पूजन-अर्चन कर दर्शन किए। आदिराज पारणा महोत्सव जैन धर्म का एक प्रमुख एवं पवित्र आध्यात्मिक आयोजन है, जो प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव (आदिनाथ) की तपस्या की स्मृति में मनाया जाता है। जैन परंपरा के अनुसार, भगवान ऋषभदेव ने 400 दिनों की कठोर वर्षीतप साधना पूर्ण करने के उपरांत अक्षय तृतीया के दिन हस्तिनापुर में राजा श्रेयांस कुमार के हाथों गन्ने के रस (इक्षुरस) से पारणा किया था। इसी ऐतिहासिक और धार्मिक परंपरा के निर्वहन में प्रतिवर्ष अक्षय तृतीया के अवसर पर वर्षीतप करने वाले तपस्वियों का पारणा कराया जाता है, जो आत्मसंयम, त्याग और तपस्या की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री वेलसिंह भूरिया, ट्रस्ट अध्यक्ष श्री सूर्य प्रकाश भंडारी, जैन संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री सुरेश तांतेड, जैन संघ के प्रमुख श्री महेंद्र व्होरा, ट्रस्ट सचिव श्री मुकेश जैन, नवयुवक परिषद राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रकाश छाजेड़ उपस्थित रहे।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में पोषण वाटिका का कियाा गया आयोजन

नवल किशोर कुशवाहा

कटनी । शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी में मिशन लाईफ के अंतर्गत पोषण वाटिका (न्यूट्रिशन गार्डन) का सफल आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में तुलसी, मीठी नीम, पुदीना आदि औषधीय एवं पोषक पौधों को रोपा गया। पौधारोपण के दौरान कम्पोस्ट खाद का उपयोग किया गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण और पोषण सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात, समिति प्रभारी डॉ. रश्मि चतुर्वेदी, समिति सदस्य डॉ. रीना मिश्रा, डॉ. अपर्णा मिश्रा, कुमारी शिल्पी सिंह, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. विमला मिंज, डॉ. अमिताभ पाण्डेय, प्रो. के.जे. सिन्हा, प्रो. बंदना मिश्रा, डॉ. रंजना वर्मा, डॉ. अनिल द्विवेदी सहित समस्त स्टॉफ एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

गर्भवती मातृशक्ति सुपोषण अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित सेवा भारती ने 334 गर्भवती मातृ शक्तियों के देखभाल की ली जिम्मेदारी

नवल किशोर कुशवाहा

कटनी ।जिले को कुपोषण की समस्या से मुक्ति दिलाने हेतु विगत 3 वर्षों से सेवा भारती द्वारा कुपोषण उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में नगर निगम कम्युनिटी हॉल कटनी में कलेक्टर आशीष तिवारी की अध्यक्षता में गर्भवती मातृशक्ति सुपोषण अभियान आयोजित किया गया। अभियान के अंतर्गत न केवल गर्भवती माताओं को सर्वे के उपरांत पोषण किट का वितरण किया अपितु सेवा भारती की मातृ शक्ति सदस्यों के द्वारा उनके देखभाल तथा शिक्षा की जवाबदारी भी ली गई और आगामी 3 महीने तक उनके स्वास्थ्य की चिंता के साथ-साथ उनके सुपोषण की व्यवस्था भी सेवा भारती के सदस्य करेंगे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य बाल कल्याण आयोग की सदस्य श्रीमती मेघा पवार, सेवा भारती के प्रांत संगठन मंत्री आत्माराम दुबे, समाजसेवी विपिन तिवारी, डॉ अमित साहू मंचासीन रहे। कार्यक्रम के दौरान आत्माराम दुबे ने सेवा भारती का लक्ष्य उद्देश्य तथा कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी और मेघा पवार ने मातृशक्ति सुपोषण के संबंध में क्या आवश्यक वस्तुएं रहती है विस्तार से जानकारी दी।

कलेक्टर आशीष तिवारी ने इस तरह के आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि शासन के अतिरिक्त भी सेवा भारती जैसी संस्थाएं आज समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी

है, जो निश्चित रूप से सराहनीय है। प्रत्येक कार्य में शासन के साथ यदि समाज जुड़ जाता है तो वह कार्य लक्ष्य को प्राप्त होता है। उन्होंने सेवा भारती जैसी ही अन्य संस्थाओं के बारे में भी जानकारी दी। मंच पर सेवा भारती के अध्यक्ष रवि नायक, महिला एवं बाल विकास अधिकारी प्रतिभा पांडे तथा सेवा भारती उपाध्यक्ष आरती सोनी भी मंचासीन रहीं। आभार प्रदर्शन पुनीत नगरिया, प्रीतेश बिलैया ने और मंच का संचालन अमित कनकने, वन श्री कुर्वेती ने किया। कार्यक्रम में संजय त्रिपाठी, अरुण सोनी तथा सेवा भारती के सम्माननीय सदस्यों तथा मातृशक्ति की बड़ी संख्या में सहभागिता रही।

अक्षय तृतीया आत्मस्वरुप अक्षयपद को प्राप्त करने का सर्वोत्तम अवसर

संपूर्ण भारत वर्ष में 'अक्षय तृतीया' का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जाता है । अक्षय तृतीया साढ़े तीन मुहूर्तों में से एक शुभ मुहूर्त है, मान्यता है कि इस दिन परमपिता परमेश्वर से हम जो कुछ भी शुद्ध इच्छा रख कर मांगते हैं, वो हमें अक्षय रूप में मिलता है। 'अक्षय' शब्द का अर्थ है , जिसका कभी भी क्षय नहीं होता, जो कभी भी नष्ट नहीं होता , और इस संसार में सारी चीजें जैसे की बड़े बड़े साम्राज्य, पद, प्रतिष्ठा और सारी भौतिक समृध्दि एक दिन नष्ट होनेवाली है, यहाँ तक की हमारा शरीर जो पंच महाभूतों से बना है, वो भी एक दिन नष्ट हो जायेगा , परंतु इस शरीर के हृदय में स्थित आत्मतत्व अक्षय है ,अजर है , अमर है ।

श्री माताजी कहते हैं , हमारा मॉंगना शुद्ध स्वरूप होना चाहिये । हमें शुभता मॉंगनी चाहिये, परमात्मा की कृपा से हमें जो कुछ भी मिलता है, उसके बदले में हमने परमात्मा को क्या दिया? इसलिये हमे जो कुछ भी मिला है, इसे परमात्मा के 'गौरव' मे इस्तेमाल करना चाहिये । सहजयोग मे आत्मतत्व की प्राप्ती होना 'अक्षयपद' है परंतु इसे प्राप्त करने में बड़े प्रलोभन है । सहयोगियों को पद, प्रतिष्ठा, पैसा, सुंदरता सबकुछ मिल जाता है परंतु ये अक्षयपद नहीं है । अक्षयपद एक स्थिती है । जो ध्रुव ने मॉंगी थी और आज भी आकाश में चमक रहे हैं । भक्त प्रल्हाद ने अक्षय पद मॉंगा था, तो उन्होने गीता का यह वचन '' नैनं छिन्दति शस्त्राणि'' सिद्ध कर दिया । अक्षय पद पाने पर सारी चीजें अक्षय हो जाती हैं, दृष्टि बदल जाती है ,विचार धारा बदल जाती है , भारत योग भूमी है, और भारत के सारे साधु संतों ने, मनीषीयों ने आत्मतत्व रूपी अक्षय पद को प्राप्त करने के लिए ही साधना का मार्ग चुना। यह बात आज सभी को समझनी होगी । तभी विश्वशांति प्रस्थापित होगी । श्री माताजी कहते हैं, परदेश के सहजयोगी जब भारत आते है , तो इस मिट्टी से आनेवाले चैतन्य को तुरंत पहचानते हैं और अपनी अध्यात्मिक उन्नति को बड़ी गंभीरता से लेते हैं, उनके जीवन मे एक ही लक्ष्य रहता है, 'अक्षय पद' प्राप्त करना । तो इस अक्षय पद को प्राप्त करते समय ढोंग , बनावट नहीं चाहिये, अक्षय पद झेलने की क्षमता भी होनी चाहिये । जो आप बर्दास्त कर सकें वही मिलेगा । परमचैतन्य सबकुछ जानता है, आपको प्रलोभन में भी डाल सकता है, तो आपको सदैव सतर्क रहना होगा , सहजयोग में अक्षय पद की ही मॉंग करनी चाहिये ।

श्री माताजी कहते हैं, आज के कांटों भरे कलियुग में सहज के गुलाब खिल रहे हैं। आपको आनंद विभोर होकर अपनी स्थिती का मजा उठाना चाहिये । इस आत्मानंद के बारे में भगवद्गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं , जिस किसी साधक को यह अक्षयपद प्राप्त होता है, वह उस अक्षयपद को परमपद समझता है। उसके जीवन में और कुछ पाना बाकी नही रह जाता । और जो स्थित हो जाता है,तो वो मेरुपर्वत जैसे दुःखों में भी विचलित नहीं होता| अपनी आत्मा में लीन होकर अपने ही स्वरुप का आनंद उठाता है | सहजयोग इसे पाने का एक सहज माध्यम है। सहजयोग से संबंधित जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं। सहजयोग पूर्णतया निःशुल्क है।

चीनोर से बुरी खबर

चीनोर शासकीय उमावि में भीषण आग से छात्राओं की 500 साइकिलों का सामान खाक, लाखों के नुकसान पर ठेकेदार सवालों के घेरे में आया, सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है, आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है, लोगों में आग की घटना को लेकर चर्चाओं की गर्माहट है।

शुद्धि के बिना सिद्धि संभव नहीं है

शुद्धि के बिना सिद्धि संभव नहीं है। और, शुद्धि पाने का सहजतम मार्ग है सहज योग। सहज योग के अनुसार श्री गणेश का स्थान हमारे मूलाधार चक्र पर है। श्री गणेश सदैव बाल रुप में हैं और अबोधिता के गुण को मानव मात्र में स्थापित करते हैं। श्री गणेश के आशीर्वाद के बगैर हमारे अंदर शुद्धता व अबोधिता नहीं आ सकती क्योंकि जब यह गुण हमारे अंदर स्थापित होता है तभी सेक्रम बोन में तीन कुंडल में सुप्तावस्था में विराजमान कुंडलिनी मां जागृत होती है और उधर्वगति की ओर चलायमान होती है और मनुष्य के अंदर अबोधिता, पवित्रता और बुद्धिमता के गुण स्थापित होते हैं। हमारे दैनिक जीवन में पवित्रता का विशेष महत्व है। साधना की पहली सीढ़ी ही पवित्रता है। जीवन में जितनी पवित्रता होती है, जीवन का उत्कर्ष भी उतना ही होता है। शुद्धि से तात्पर्य मात्र शरीर का नहीं है, बल्कि मन, प्राण और भाव-विचार के साथ-साथ हमारा अंतःकरण भी निर्मल होना चाहिए। शुद्धता के गुण आते ही व्यक्ति धीरे-धीरे अज्ञान व अंधकार के आवरण को पार कर प्रकाशित स्थिति प्राप्त करता है। इस शुद्धि के फलस्वरूप मन की शांति, चित्त की स्थिरता और प्राण की एकाग्रता व हृदय की तन्मयता का प्रादुर्भाव स्वभावतः होने लगता है। आनंद का अवरोहण भी तभी संभव होता है। शुद्धि से आत्मा विभिन्न वासनाओं और आकर्षणों से मुक्त होती है। और...सिद्धि प्राप्ति से पहले की प्रारंभिक अवस्था शुद्धि ही है। शुद्ध भावों वाला व्यक्ति ही परमात्मा को भी प्रिय होता है। उसके पूजन-अर्चन व प्रार्थना में शुचिता यानी पवित्रता का विशेष महत्व है। आचार-विचार के साथ-साथ जीवन के अन्य क्षेत्रों जैसे व्यापार में पैसे के लेन-देन और नौकरी आदि में ईमानदारी व कर्त्तव्य के प्रति निष्ठावान बने रहना भी पवित्रता की ही श्रेणी में आते हैं। व्यक्ति चाहे किसी भी क्षेत्र में कार्यरत हो, वह वहां रहते हुए ही पवित्रता का ध्यान रखने योग्य बन जाता है। पवित्रता को नित्य-प्रतिदिन की दिनचर्या में रखकर हम अपना बैद्धिक स्तर तो उत्तम बना ही सकते हैं, साथ ही, स्वयं सुखी रहते हुए अन्य लोगों को भी इस राह पर अग्रसर कर सकते हैं। पवित्रता जीवन का मूल आधार है। आज समाज में जो नैतिक पतन हो रहा है उसका एक खास कारण शुचिता की ओर ध्यान नहीं दिया जाना है। व्यक्ति जैसे ही पवित्रता की तरफ एक कदम बढ़ाता है, उसकी सोच में निखार आता है, उसकी भौतिक प्रगति के साथ-साथ आध्यात्मिक उन्नति भी होती है। अन्य लोग भी ऐसे व्यक्ति के प्रति श्रद्धा व आस्था का भाव रखने लगते हैं। जो भी महापुरुष या ऋषि-मुनि इस देश में हुए हैं, उन्होंने साधना के संदर्भ में पवित्रता को विशेष महत्व दिया है। वे ही हमारे प्राचीन व आधुनिक भारत के प्रेरणास्त्रोत बने। सच तो यह है कि पवित्रता का ध्यान रखे बगैर मानव जीवन का कल्याण संभव ही नहीं है। आत्मसाक्षात्कार के बिना श्री गणेश का पूजन मात्र एक कर्मकांड बनकर रह जाता है। आत्मसाक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं। सहज योग पूर्णतया निशुल्क है।

चांद के पार चलो: अंतरिक्ष अन्वेषण के नए युग की दस्तक

आर्टेमिस-2

सफल उड़ान केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि मानव जिज्ञासा और साहस की नई परिभाषा है। सीमित जगह वाले केबिन में बैठे अंतरिक्ष यात्री, खिड़की से झांकती नीले-सफेद रंग की छोटी सी पृथ्वी, और भारहीनता में तैरते बाल-ये दृश्य सिर्फ रोमांच नहीं, बल्कि उस भविष्य की झलक हैं, जहां इंसान अपनी सीमाओं को लगातार पीछे छोड़ रहा है। इस मिशन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अंतरिक्ष अब केवल वैज्ञानिक प्रयोगों का क्षेत्र नहीं रह गया, बल्कि यह मानव सभ्यता के विस्तार का अगला पड़ाव बन चुका है।

चांद तक पहुंचने की यह नई कोशिश केवल प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरे रणनीतिक, वैज्ञानिक और आर्थिक उद्देश्य भी छिपे हैं। चांद पर स्थायी आधार बनाने की योजना, संसाधनों की खोज और आगे मंगल जैसे ग्रहों तक पहुंचने की तैयारी-ये सब इसी कड़ी के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। नासा का यह अभियान दुनिया को यह संदेश देता है कि अंतरिक्ष अन्वेषण अब प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सहयोग का भी क्षेत्र बन सकता है। विभिन्न देशों और निजी कंपनियों की भागीदारी इस दिशा में एक सकारात्मक संकेत है। हालांकि, इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि अंतरिक्ष के उपयोग को लेकर वैश्विक नियम और संतुलन बनाए रखा जाए, ताकि यह दौड़ टकराव में न बदल जाए।

इस मिशन का एक मानवीय पहलू भी है। जब अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी को दूर से देखते हैं, तो सीमाएं, विवाद और भेदभाव नगण्य प्रतीत होते हैं। यह दृष्टिकोण हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि जिस ग्रह को हम साझा करते हैं, उसकी रक्षा और संतुलन बनाए रखना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

आर्टेमिस-2

केवल तकनीकी क्षमताओं का प्रदर्शन किया है, बल्कि यह भी साबित किया है कि मानव की जिज्ञासा और खोज की भावना आज भी उतनी ही प्रबल है, जितनी पहली बार चांद पर कदम रखने के समय थी। यह मिशन एक नए युग की शुरुआत है-जहां सपने केवल देखे नहीं जाते, बल्कि उन्हें अंतरिक्ष की ऊंचाइयों तक ले जाकर साकार किया जाता है।

भोपाल बनेगा 'मेट्रोपॉलिटन रीजन', 6 जिलों के 2510 गांव होंगे शामिल

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के लिए एक बड़ा प्रशासनिक और विकासात्मक कदम उठाते हुए सरकार ने भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन (BMR) के गठन का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस फैसले के साथ ही राजधानी का दायरा अब केवल शहर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आसपास के छह जिलों के हजारों गांव भी इसमें शामिल किए जाएंगे। यह पहल आने वाले वर्षों में क्षेत्रीय विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार और शहरी योजना के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, इस मेट्रोपॉलिटन रीजन में कुल 2510 गांव शामिल किए जाएंगे, जो भोपाल के साथ-साथ रायसेन, विदिशा, सीहोर, राजगढ़ और नर्मदापुरम जिलों से जुड़े होंगे। इस तरह राजधानी का प्रभाव क्षेत्र काफी बड़े भू-भाग तक फैल जाएगा। कुल मिलाकर इस रीजन का क्षेत्रफल लगभग 12,098 वर्ग किलोमीटर होगा, जो करीब 13 हजार वर्ग किलोमीटर के आसपास माना जा रहा है। इस मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र में सबसे ज्यादा गांव सीहोर जिले से जोड़े गए हैं, जहां के करीब 599 गांव इसमें शामिल होंगे।

व्यंग्य: खेला होबे

देश को 21 वीं सदी में एक महत्वपूर्ण शब्द की उपलब्धि हासिल हुई है और वह शब्द है 'खेला होबे'। यह शब्द कोहिनूर हीरा जैसा मूल्यवान शब्द है। इसी शब्द का चमत्कार है कि हमारे देश और पूरी दुनिया में खेला हो रहा है। यह शब्द राष्ट्रीय वाक्य बन कर लोगों की जुबान पर चढ़ गया।

खेला होबे - खेला होबे

वैसे तो खेला होबे शब्द का शाब्दिक अर्थ है 'खेल होगा' होता है । लेकिन सियासी दलों ने इस शब्द के साथ ही खेला कर के इस शब्द का अर्थ साजिश करना बना दिया है। अब यह शब्द एक धमकी भरा शब्द बन कर रह गया। 2026 के साल को यदि खेला होबे वर्ष कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। इसी तरह अभी तक की घटनाओं और परिदृश्य को देखते हुए भले ही हमारे प्रधानमंत्री के परम मित्र डोनल्ड ट्रंप को नोबल शांति सम्मान नहीं मिल सका हो पर यह अवश्य है कि उन्हें साल, 2026 का 'खेला पुरूष' का सम्मान तो दिया ही जाना चाहिए। नोबल पीस प्राइज़ न मिलने से भनभनाए ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति को सपत्नीक उठवालिया और वहां के तेल के कुँओं पर कब्जा कर लिया। उनकी इस बहादुरी की तुलना पौराणिक कथा सीता हरण से की जा सकती है। हाल की घटना में ट्रंप भाई दशानन से ज्यादा उदार निकले वो राष्ट्रपति को सपत्नीक उठा कर ले गए।

ऐसा लगता है कि पिछले जन्म में जरूर इस आदमी का तेल का कारोबार रहा होगा। शायद यही कारण है कि भाई को जहां भी तेल का भंडार नज़र आता है ये वहां टूट पड़ता है। जैसे ही इसकी आंखों पर तेल चढ़ जाता है यह आदमी प्रसन्न हो जाता है। हमारे यहां शनि ग्रह का इफेक्ट कम करने के लिए शनि देव की मूर्ति पर तेल चढ़ाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि ऐसा करने से शनि महाराज प्रसन्न हो जाते हैं और मनुष्य पर शनि ग्रह का प्रकोप कम हो जाता है। यही हाल अमेरिका के इन शनि महाराज का है। जैसे ही इनको तेल का चढ़ावा मिल जाता है यह शांत हो जाते हैं। यह भी हो सकता है कि यह व्यक्ति किसी श्राप से ग्रसित हो कर पिछले जन्म में कोल्हू से तेल निकालने का काम करता हो। शायद इसी का असर है कि भाई को जहां भी तेल दिखाई देता है ये भाई वहां खेला कर देता है। अक्सर यह देखा गया है कि पुराने जमाने में कोल्हू से तेल निकालने का काम जो बैल करता था वह भी खूब सफेद झक गोरा चिट्टा होता था।

दुनिया के शासकों के इतिहास में डोनल्ड ट्रंप एक मात्र ऐसे शासक हैं जो इतने अमन पसंद हैं कि जिस देश में जहां अमन होता है वहां पहले वो युद्ध करवाते हैं

इसके लिए दूसरे देश को हथियार देते हैं और अपने हथियार बेचने के बाद वहां फिर से शांति बहाल करवाने के लिए अपनी मिसाइलें और बमों का इस्तेमाल कर पीड़ित देश में शांति स्थापित करने का अभूतपूर्व और महान काम करते हैं। वे किस देश के साथ कब खेला कर दें इसकी कोई गारंटी नहीं है। इसके गवाह ईरान सहित दुनिया के आधा दर्जन देश हैं । जहां उन्होंने शांति के बीच अशांति और उस अशांति के बीच शांति स्थापित करवाने का महान काम किया है। हमारे यहां एक कहावत है कि भूसा में अंगरा (अंगारा) डाल जमालो दूर खड़ी। कुछ लोग भाई की तुलना जमालो से करते हैं। इस व्यक्ति की झूठ की तो इतनी इंतहा है कि इस आदमी ने सच कब बोला होगा समझना ही नामुमकिन है। भाई की झूठ बोलने की स्पीड इतनी तेज है कि सुपर सोनिक मिसाइलें भी गति के मामले में उसके सामने फेल हैं। दुनिया के इतिहास में सर्वाधिक झूठ बोलने के मामले हिटलर की नाजी पार्टी के प्रचार मंत्री गोएबल्स का नाम प्रसिद्ध है।लेकिन अब माननीय ट्रंप महाराज ने उस नाम को भी मीलों पीछे छोड़ दिया है। इसके लिए नोबल पीस सम्मान तो बनता ही है। नोबल शांति सम्मान देने वाली स्वीडन और नार्वे को दुनियां में अमन का वास्ता है। उन्हें इस मामले में विचार कर भाई का नोबल शांति सम्मान दे ही देना चाहिए। तभी दुनिया में अमन कायम हो सकेगा।

हमारे यहां खेला होबे का सिलसिला पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2021 के विधानसभा चुनाव में शुरू किया था। इसकी झलक शुक्रवार को लोकसभा के विशेष सत्र में देखने को मिली जब महिला आरक्षण बिल के साथ खेला हो गया। विपक्ष के दलों ने एकता का अद्भुत प्रदर्शन कर एनडीए का गेम बजा डाला। वैसे भी हमारे देश के नेताओं को खेला करने में और खेल बिगाड़ने में महारत हासिल है। फिर चाहे वो सत्ताधारी दल के नेता हो या विपक्ष के ही नेता ही क्यों न हों। इस काम में उन्हें जो महारत हासिल है वह अतुलनीय है। इस काम में उन्हें जो आत्मीय सुख मिलता है वह अवर्णीय है। यह महत्वपूर्ण नहीं है कि सत्ताधारी दल इस बिल के बहाने विपक्ष के साथ खेला करना चाहता था या विपक्ष के दलों ने मिलजुल कर सत्ताधारी दल के साथ खेला कर डाला। पर इतना जरूर है कि दोनों ने एक दूसरे के साथ खेला करने के साजिश के चलते दोनों ने महिलाओं के साथ खेला कर दिया।

मध्य प्रदेश के मऊगंज जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक तथाकथित "ढोंगी बाबा" लोगों की आस्था से खिलवाड़ कर रहा था

बताया जा रहा है कि यह बाबा "दिव्य दरबार" लगाता था, जिसमें लोगों से 500 रुपए फीस ली जाती थी। दावा किया जाता था कि यहां हर बीमारी-यहां तक कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी-का इलाज संभव है। मध्य प्रदेश के मऊगंज में "नकली बागेश्वर" बनकर अंधविश्वास फैलाने वाले एक कथित बाबा का भंडाफोड़ हुआ है। यह पूरा मामला इसलिए चर्चा में है क्योंकि आरोपी कोई साधारण व्यक्ति नहीं, बल्कि एक रिटायर्ड डिप्टी कलेक्टर का बेटा बताया जा रहा है, जो बागेश्वर धाम की तर्ज पर "दिव्य दरबार" लगाकर लोगों को गुमराह कर रहा था। जानकारी के मुताबिक यह बाबा लोगों से 500 रुपए लेकर दरबार में प्रवेश देता था और दावा करता था कि झाड़-फूंक और तंत्र-मंत्र से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का इलाज संभव है। लोगों की समस्याएं पहले से तय तरीके से "बताई" जाती थीं, जिससे आम लोगों को चमत्कार का भ्रम हो जाता था। इस पूरे खेल के पीछे एक संगठित टीम काम कर रही थी।

पश्चिम बंगाल

चुनाव से पहले मतदाता सूची में बड़ा इजाफा, 5 लाख नए नाम जुड़े

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची को लेकर अहम आंकड़े जारी किए हैं। मसौदा सूची प्रकाशित होने से लेकर नामांकन प्रक्रिया बंद होने तक करीब 5 लाख नए मतदाताओं को सूची में शामिल किया गया है, जिससे चुनावी समीकरण और दिलचस्प हो गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, फॉर्म-6 के जरिए लगभग 7 लाख आवेदन प्राप्त हुए थे। गहन सत्यापन के बाद योग्य आवेदकों के नाम सूची में जोड़े गए। 28 फरवरी को जारी अंतिम सूची में 1 लाख 88 हजार 207 नए मतदाता शामिल किए गए थे, जिसके बाद अगले महीने लगभग 5 लाख और नाम जोड़े गए।

जिला स्तर पर देखें तो सबसे ज्यादा वृद्धि उत्तर 24 परगना, हावड़ा, हुगली, कोलकाता और पूर्वी मिदनापुर में दर्ज की गई है। अकेले उत्तर 24 परगना में 71 हजार से अधिक नए मतदाता जुड़े, जबकि कोलकाता में करीब 44 हजार नए नाम शामिल हुए।

हालांकि इन आंकड़ों के बीच एक चिंता की बात भी सामने आई है—महिला मतदाताओं की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है, जो संतुलित प्रतिनिधित्व के लिहाज से महत्वपूर्ण मुद्दा बन सकता है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या अब 6 करोड़ 82 लाख 51 हजार 8 हो गई है। इनमें 3 करोड़ 49 लाख से अधिक पुरुष, 3 करोड़ 33 लाख से ज्यादा महिलाएं और तीसरे लिंग वर्ग के 1,257 मतदाता शामिल हैं। आयोग के सूत्रों का कहना है कि न्यायाधिकरण में लंबित मामलों के निपटारे के बाद मतदाताओं की संख्या में और वृद्धि संभव है। ऐसे में साफ है कि इस बार का चुनाव न केवल राजनीतिक दलों के लिए, बल्कि मतदाता आधार के लिहाज से भी बेहद अहम होने जा रहा है।

नहीं तो यहीं कब्र खोद दूंगा...

खंडवा में डिप्टी रेंजर ने आदिवासियों को दी धमकी तो भड़के ग्रामीण

खंडवा। जिले के मांधाता विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नरलाय में वन विभाग द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान जमकर हंगामा हो गया। वर्षों से खेती कर रहे आदिवासी परिवारों और प्रशासनिक अमले के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इस दौरान वन विभाग के एक अधिकारी द्वारा कथित रूप से दी गई धमकी का वीडियो सामने आने के बाद मामला और तूल पकड़ गया है। वीडियो में डिप्टी रेंजर एसएस चौहान ग्रामीणों को कब्र में गाड़ देने की धमकी देते हुए नजर आ रहे हैं। मामले ने तूल पकड़ा तो सफाई में उन्होंने कहा कि ग्रामीण बहस कर रहे थे, एक लड़का पत्थर भी उठा रहा था, इस दौरान मुंह से ऐसी बात निकल गई।

जमीन हस्तांतरण और अद्वैत लोक परियोजना का कनेक्शन

जानकारी के अनुसार, ग्राम नरलाय में करीब 23 एकड़ राजस्व भूमि वर्ष 2022 में वन विभाग को हस्तांतरित की गई थी। प्रशासनिक रिकॉर्ड के अनुसार यह जमीन ओंकारेश्वर में विकसित हो रहे अद्वैत लोक परियोजना के बदले वन विभाग को दी गई थी। जब वन विभाग की टीम राजस्व अधिकारियों के साथ मौके पर कब्जा लेने पहुंची, तो वहां लंबे समय से रह रहे 15 से 20 आदिवासी परिवारों का अतिक्रमण पाया गया। वन विभाग

और प्रशासन की संयुक्त टीम ने शनिवार को कार्रवाई शुरू की। जेसीबी मशीनों की मदद से लगभग 10 झोपड़ियों को हटाया गया और जमीन पर कंटूर ट्रेंच खोदने का काम भी किया गया। अधिकारियों के अनुसार, बारिश के बाद यहां पौधारोपण किया जाएगा।

चार पीढ़ियों से काबिज आदिवासियों का विरोध और दावा

दूसरी ओर, प्रभावित आदिवासी परिवारों ने कार्रवाई का विरोध करते हुए कहा कि वे पिछले चार पीढ़ियों से इस जमीन पर निवास और खेती कर रहे हैं। ग्रामीणों का दावा है कि करीब 80 वर्षों से वे इस भूमि को उपजाऊ बनाकर जीवनयापन कर रहे हैं और अब अचानक उन्हें बेदखल किया जा रहा है। उनका कहना है कि उन्होंने कभी किसी प्रकार का विवाद नहीं किया और यह भूमि पहले बंजर थी, जिसे उन्होंने मेहनत से खेती योग्य बनाया। कार्रवाई के दौरान एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वन विभाग के रेंजर शंकर सिंह चौहान आदिवासियों से तीखे शब्दों में बात करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में वे कथित रूप से कहते सुने जा रहे हैं कि "ज्यादा फालतू बात मत करो, जैसा कहा जा रहा है वैसा करो, नहीं तो यहीं तुम्हारी कब्र खोद दूंगा।" इस बयान के सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर नाराजगी बढ़ गई है।

अधिकारी की सफाई और प्रशासनिक पक्ष

हालांकि, रेंजर चौहान ने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा कि मौके पर कुछ युवक उत्पात मचा रहे थे और स्टाफ के साथ अभद्रता कर रहे थे। उनके अनुसार, एक युवक पत्थर लेकर दौड़ा था, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई और आवेश में ऐसे शब्द निकल गए। मौके पर डिप्टी कलेक्टर ममता चौहान, पुनासा तहसीलदार, पटवारी सहित पुलिस और वन विभाग का अमला मौजूद रहा। प्रशासन का कहना है कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नियमानुसार की जा रही है, जबकि ग्रामीण अपने पुनर्वास और अधिकारों की मांग कर रहे हैं। फिलहाल क्षेत्र में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और प्रशासन द्वारा स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

धान खरीदी पर 'बिल्ली' और 'पिंजरे' की सियासत... भूपेश बघेल का तंज- "नागपुर से आए या गुजरात से?" भाजपा का पलटवार

रायपुर। प्रदेश में धान खरीदी के दौरान कवर्धा, महासमुंद और अन्य जिलों की समितियों में चूहों द्वारा करोड़ों रुपये का धान खाने का मामला सामने आने के बाद प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत सहित अन्य कांग्रेसी नेताओं ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। वहीं भाजपा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने चूहों के इलाज के लिए सरकार द्वारा बिल्ली की व्यवस्था करने की बात कही है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने साधा निशाना

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस मुद्दे को लेकर इंटरनेट मीडिया एक्स पर लिखा, "चूहे की गारंटी, चूहे का सुशासन।" उन्होंने कहा कि बीते कुछ दिनों से प्रदेश चूहों के कारण राष्ट्रीय पटल पर छाया हुआ है। ये चूहे बेहद भूखे हैं और पूरे प्रदेश को कुतर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि ये चूहे कहां से आए हैं, नागपुर से या गुजरात से। उन्होंने लिखा कि प्रदेश धान का कटोरा है, यहां के चूहे इतने भूखे नहीं हैं।

भूपेश बघेल ने आरोप लगाया कि

कवर्धा, महासमुंद, जशपुर सहित अन्य जिलों में अब तक 30 करोड़ रुपये का धान चूहे खा गए हैं। उन्होंने पूछा कि इन चूहों को संरक्षण कौन दे रहा है। क्या ये वही चूहे हैं जो जल, जंगल और जमीन को खा रहे हैं, हसदेव और तमनार को उजाड़ रहे हैं और अब बस्तर पर नजर लगाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के राज में मूषक राज चल रहा है और यदि समय रहते इन्हें पिंजरों में बंद नहीं किया गया तो ये पूरे प्रदेश को खोखला कर देंगे।

खरीदी की समयसीमा एक माह बढ़ाने की मांग

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव में मोदी की गारंटी का ढिंढोरा पीटने वाली भाजपा सरकार किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम और सम्मान देने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि किसान फसल बेचने के लिए दर-दर भटक रहे हैं। कोरबा और बागबाहरा में किसानों का आत्महत्या के लिए मजबूर होना प्रदेश में सुशासन के दम तोड़ने का प्रमाण है।

परशुराम जयंती की धूम

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में परशुराम जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भगवान परशुराम का पूजन-अर्चन कर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की। इस दौरान ब्राह्मण समाज ने सीएम का सम्मान किया। इसी के साथ तीन दिवसीय समारोह की शुरुआत हुई। उज्जैन के सर्किट हाउस में परशुराम जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने भगवान श्री परशुराम की प्रतिमा पर विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर आरती की और प्रदेश की जनता की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज की ओर से किया गया।मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने तीन दिवसीय परशुराम जयंती और जगद्गुरु आदि शंकराचार्य जयंती समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधियों ने सीएम का सम्मान करते हुए उन्हें भगवान परशुराम का चित्र और फरसा भेंट किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी ब्राह्मण समाज और सनातन धर्मावलंबियों को परशुराम जयंती की शुभकामनाएं दीं।

तपती गर्मी में भी ठंडक का राज
क्यों कच्चे घर देते हैं सुकून?

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा समेत प्रदेश के कई हिस्सों में गर्मी अपने चरम पर है। तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच चुका है, जहां शहरों के पक्के मकान भट्टी की तरह तपने लगते हैं। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण इलाकों के कच्चे घर बिना पंखा, कूलर या एसी के भी ठंडक का अहसास कराते हैं।

मिट्टी और खपरैल का कमाल- गांवों में बने पारंपरिक घरों की दीवारें मोटी और मिट्टी की होती हैं। ऊपर से खपरैल (कबेलू) की छत होती है, जो गर्मी को सीधे अंदर नहीं आने देती। इन घरों में चूने की पुताई और गोबर से लिपे फर्श-आंगन प्राकृतिक ठंडक बनाए रखते हैं।

क्यों ठंडे रहते हैं ये घर?- विशेषज्ञों के अनुसार मिट्टी गर्मी को जल्दी अंदर नहीं आने देती, जबकि सीमेंट और लोहा गर्मी को सोखकर लंबे समय तक छोड़ते रहते हैं। यही कारण है कि शहरों के आरसीसी मकान दिन में गर्म होकर रात तक तपते रहते हैं, जबकि कच्चे घर दिनभर ठंडे बने रहते हैं।

प्राकृतिक हवा का बेहतर प्रवाह- खपरैल की छत में छोटे-छोटे छिद्र होते हैं, जिससे घर के अंदर लगातार हवा का प्रवाह बना रहता है। इससे वेंटिलेशन अच्छा रहता है और गर्मी का असर कम होता है। यही वजह है कि कई ग्रामीण घरों में पंखे की जरूरत भी महसूस नहीं होती।

पर्यावरण के अनुकूल विकल्प

लगातार बढ़ते शहरीकरण और पेड़ों की कटाई के कारण शहरों में गर्मी ज्यादा महसूस होती है। ऐसे में कच्चे घर न केवल ठंडक देते हैं, बल्कि पर्यावरण के अनुकूल भी होते हैं।

विशेषज्ञों की राय

सिविल इंजीनियरों का मानना है कि मिट्टी और खपरैल से बने घर वैज्ञानिक दृष्टि से गर्म इलाकों के लिए बेहतर होते हैं। ये घर तापमान संतुलित रखते हैं और ऊर्जा की खपत भी कम करते हैं। स्पष्ट है कि आधुनिक सुविधाओं के बावजूद पारंपरिक कच्चे घर गर्मी से राहत देने में आज भी कहीं आगे हैं।

जयपुर: इन इलाकों में जमीन खरीदने से पहले ध्यान दें, JDA ने कराई 27 करोड़ की प्रोपर्टी मुक्त

राजस्थान। राजस्थान की राजधानी जयपुर में इन दिनों जयपुर विकास प्राधिकरण (JDA) का एक्शन मोड चर्चा का विषय बना हुआ है। शहर की सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए जेडीए का 'पीला पंजा' जिस रफ्तार से चल रहा है, उसने अवैध कब्जा करने वालों की नींद उड़ा दी है। लेकिन, ताजा घटनाक्रम ने प्रशासन और जनता दोनों को चौंका दिया है। अब जयपुर में डर का ऐसा असर दिख रहा है कि लोग बुल्डोजर के पहुंचने का इंतज़ार नहीं कर रहे, बल्कि खुद ही हथौड़ा उठाकर अपने अवैध निर्माणों को ढहा रहे हैं।

ताजा मामला जयपुर के जोन-1 स्थित टोंक रोड का है। यहाँ जेकेजे (JKJ) ज्वैलर्स के पास एक भूखंड मालिक ने सड़क सीमा में छज्जे का अवैध निर्माण कर रखा था। अमूमन ऐसे मामलों में जेडीए की टीम को भारी विरोध का सामना करना पड़ता है और पुलिस बल की मदद लेनी पड़ती है। लेकिन यहाँ नजारा बदला हुआ था। जेडीए की सख्ती और पिछले दिनों हुई बड़ी कार्रवाइयों को देखते हुए, मालिक ने खुद ही लेबर लगवाकर अवैध निर्माण को हटाना शुरू कर दिया।सोशल मीडिया पर यह खबर 'बदलाव के संकेत' के रूप में वायरल हो रही है। जानकारों का मानना है कि जेडीए द्वारा की जा रही भारी पेनल्टी और ध्वस्तीकरण के खर्च की वसूली के डर से अब लोग स्वयं आगे आकर अतिक्रमण हटा रहे हैं।

करोड़ों की जमीन से हटा कब्जा, एक्शन में है जेडीए

पिछले कुछ दिनों में जेडीए ने जयपुर के अलग-अलग कोनों में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। जयसिंहपुरा खोरः यहाँ करीब 15 करोड़ रुपये की बेशकीमती 5 बीघा सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। किलनगढ़ः यहाँ भी 12 करोड़ रुपये मूल्य की 4 बीघा जमीन पर बने अवैध निर्माणों को जेडीए के बुल्डोजर ने जमींदोज कर दिया।

वेदांता ब्लास्ट में बढ़ा मरने वालों का आंकड़ा, 24 मौतों से परिजन बेहाल
अस्पतालों में नौ घायल लड़ रहे जिंदगी की जंग

रायगढ़। वेदांता पावर प्लांट हादसे में एक और घायल (Vedanta Plant Accident) की मौत हो गई है। झारखंड निवासी मनीष कुमार, जो गंभीर रूप से घायल थे, ने रायगढ़ के मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद मृतकों की संख्या में और इजाफा हो गया है।

अस्पतालों में 9 घायलों का इलाज जारी- रायगढ़ जिले के अलग-अलग अस्पतालों में फिलहाल 9 घायलों का उपचार जारी है। इनमें से तीन की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। डॉक्टरों की टीम लगातार इलाज में जुटी हुई है, लेकिन हर गुजरते पल के साथ परिजनों की चिंता और बेचैनी बढ़ती जा रही है।

जिंदल अस्पताल में भर्ती अधिक मरीज- जिले के जिंदल अस्पताल में 6 मरीज

भर्ती हैं, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज किया जा रहा है। अस्पताल के बाहर परिजन अपने अपनों के स्वस्थ होने की उम्मीद में डटे हुए हैं और लगातार दुआ कर रहे हैं।

कई परिवारों पर टूटा दुखों का पहाड़- इस भीषण हादसे में कई परिवारों ने अपने कमाने वाले सदस्य को खो दिया है। अब तक कुल 35 मजदूर गंभीर रूप से झुलस चुके हैं। इनमें से चार की मौके पर ही मौत हो गई थी। मृतकों में अधिकांश पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ के निवासी हैं।यह हादसा 14 अप्रैल की दोपहर वेदांता पावर प्लांट के बॉयलर-1 में ट्यूब फटने से हुआ था। विस्फोट इतना तेज था कि बॉयलर की संरचना को भारी नुकसान पहुंचा।

जांच में लापरवाही के संकेत- प्रारंभिक जांच में प्लांट में तकनीकी खामियों और लापरवाही के संकेत मिले हैं। बताया जा रहा है कि समस्याओं के बावजूद संचालन जारी रखा गया, जिससे यह बड़ा हादसा हुआ।

चुनाव से पहले बंगाल में ED की बड़ी कार्रवाई

कोलकाता DCP के घर छापा, सोना पप्पू सिंडिकेट केस से जुड़ा है मामला ।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा कदम उठाते हुए कोलकाता पुलिस के डिप्टी कमिश्नर (डीसीपी) शांतनु सिन्हा बिस्वास के आवास पर छापेमारी की है। ईडी की टीम रविवार सुबह करीब 7 बजे बालीगंज स्थित फर्न रोड पर उनके घर पहुंची और तलाशी अभियान शुरू किया।

जानकारी के अनुसार, डीसीपी बिस्वास पहले कालीघाट पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी रह चुके हैं, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। सोना पप्पू सिंडिकेट केस से जुड़ा है मामलायह कार्रवाई दक्षिण कोलकाता के बालीगंज क्षेत्र में चल रहे सोना पप्पू सिंडिकेट केस से जुड़ी बताई जा रही है। यह मामला कथित अवैध गतिविधियों और मनी ट्रेल की जांच से संबंधित है। ईडी की टीम ने कुल

तीन अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की है। इनमें से दो ठिकाने शंतनु सिन्हा बिस्वास से जुड़े हैं, जबकि एक ठिकाना जॉय कामदार का है। कारोबारी के घर भी ED की रेडइसी दौरान ईडी ने दक्षिण कोलकाता के बेहाला इलाके में एक कारोबारी Jजॉय कामदार के आवास पर भी छापा मारा। सूत्रों के अनुसार, कारोबारी के घर से पहले भी नकदी बरामद हो चुकी है और जांच एजेंसी ने उन्हें पूछताछ के लिए दो बार समन भेजा था, लेकिन वे पेश नहीं हुए।

अन्य मामलों में

ईडी की सक्रियतायह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब राज्य की राजधानी में अवैध निर्माण या सिंडिकेट मामले में शुक्रवार को कई ठिकानों पर तलाशी ली गई थी। कुछ दिन पहले ही ईडी ने पूर्व राज्य मंत्री पार्थ चटर्जी के शिक्षक भर्ती भ्रष्टाचार मामले में भी उनके आवास पर छापेमारी की थी। इसके अलावा, आयकर विभाग ने हाल ही में बहिरा से विधायक और तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार देबाशीष कुमार के आवास पर भी छापा मारा था।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव

टीएमसी और भाजपा के बीच कड़ा मुकाबलागौरतलब है कि 2021 के विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस ने 213 सीटों के साथ निर्णायक जीत हासिल की थी। भाजपा 77 सीटों के साथ मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी थी। आगामी चुनावों में दोनों पार्टियों के बीच कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है। यह चुनाव राज्य की राजनीतिक दिशा तय करेगा। पश्चिम बंगाल में 294 सीटों के लिए चुनाव 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में होंगे और 4 मई को नतीजे आएंगे।सीटें: 294, बहुमत: 148 - 4 मई को नतीजेपहला चरण (152 सीटें) - मतदान- 23 अप्रैलदूसरा चरण (142 सीटें) - मतदान- 29 अप्रैलबंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए इस बार मुकाबला काफी कड़ा माना जा रहा है। टीएमसी जहां चौथी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है, वहीं भाजपा राज्य में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है।

सीईसी पर बढ़ता दबाव: ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नया नोटिस लाने की तैयारी

दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। विपक्षी दल एक बार फिर उन्हें पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी में जुट गए हैं। पहले प्रस्ताव के खारिज होने के बाद अब अधिक सांसदों के समर्थन के साथ नया और मजबूत प्रस्ताव लाने की रणनीति बनाई जा रही है।

सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और डीएमके सहित कई विपक्षी दल इस मुद्दे पर एकजुट नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि कम से कम पांच वरिष्ठ सांसद मिलकर नए नोटिस का मसौदा तैयार कर रहे हैं, जिसमें पहले से ज्यादा ठोस आधार और समर्थन जुटाने की कोशिश होगी। विपक्ष का मानना है कि इस बार संख्या बल बढ़ाकर प्रस्ताव को ज्यादा प्रभावी बनाया जा सकता है। इसके लिए विभिन्न दलों के बीच समन्वय बढ़ाया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक सांसदों के हस्ताक्षर हासिल किए जा सकें। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह मामला आने वाले दिनों में और तूल पकड़ सकता है, क्योंकि यह सीधे चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था से जुड़ा है। ऐसे में सरकार और विपक्ष के बीच टकराव की स्थिति भी बन सकती है। फिलहाल सभी की नजर इस बात पर है कि विपक्ष कितनी मजबूती से यह प्रस्ताव पेश कर पाता है और इस पर आगे क्या संवैधानिक प्रक्रिया अपनाई जाती है।

बिहार में सीमा सुरक्षा पर सख्ती

2025 में 25 विदेशी पकड़े गए

बिहार। बिहार में भारत-नेपाल सीमा को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। वर्ष 2025 में अब तक 25 विदेशी नागरिकों के पकड़े जाने के बाद प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के संकेत दिए हैं। इस मुद्दे पर राज्य के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीमा से जुड़े विभिन्न पहलुओं-सुरक्षा, निगरानी और अवैध गतिविधियों-पर विस्तार से चर्चा हुई।

अधिकारियों ने बताया कि भारत-नेपाल सीमा खुली सीमा होने के कारण आवाजाही आसान है, जिसका कुछ लोग दुरुपयोग करने की कोशिश करते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए निगरानी तंत्र को और मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में यह भी तय किया गया कि सीमा पर तैनात एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाया जाएगा और संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

साथ ही, स्थानीय प्रशासन को भी अलर्ट रहने और सूचना तंत्र को सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का मानना है कि सतर्कता और बेहतर समन्वय के जरिए घुसपैठ जैसी घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। आने वाले समय में सीमा क्षेत्रों में सुरक्षा उपायों को और कड़ा किए जाने की संभावना है।

नर्मदा प्रदूषण पर सख्त रुख: हाई कोर्ट में ठोस सुझाव, अगली सुनवाई 12 मई

नर्मदा नदी को प्रदूषण से बचाने के मामले में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ के निर्देश पर याचिकाकर्ताओं ने विस्तृत और ठोस सुझाव अदालत के सामने पेश किए हैं।

अदालत ने इन सुझावों को रिकॉर्ड पर लेते हुए सभी पक्षों से जवाब मांगा है और अगली सुनवाई 12 मई तय की है। मामले की सुनवाई एक जनहित याचिका के रूप में की जा रही है, जिसकी शुरुआत एक विधि छात्र के पत्र से हुई थी। पत्र में नालों के गंदे पानी से सब्जियां उगाने की गंभीर समस्या उठाई गई थी। इसके अलावा नर्मदा में गिरने वाले नालों और

दूषित जल आपूर्ति को लेकर भी अन्य याचिकाएं दायर हैं।

याचिकाकर्ताओं ने सुझाव दिया है कि नर्मदा में मिलने वाले सभी नालों की पहचान कर वहां शोधन संयंत्र लगाए जाएं। साथ ही, शुद्ध किए गए पानी का उपयोग खेती, सिंचाई और औद्योगिक कार्यों में बढ़ाया जाए, ताकि सीधे नदी में गंदा पानी जाने से रोका जा सके। अदालत में पेश रिपोर्ट ने स्थिति की गंभीरता उजागर कर दी है। मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण मंडल की जांच में सामने आया कि शहर के लगभग सभी नालों में भारी मात्रा में सीवेज मिला हुआ है। यह पानी इतना दूषित है कि पीने, घरेलू उपयोग और सिंचाई के लिए पूरी तरह अनुपयुक्त है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि यदि यह पानी पाइपलाइन में मिल गया तो गंभीर स्वास्थ्य संकट पैदा हो सकता है। वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संघी ने अदालत को बताया कि गौरीघाट जैसे स्थानों पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में तेल के दीये नदी में प्रवाहित किए जाते हैं, जिससे प्रदूषण बढ़ता है। उन्होंने यह भी बताया कि शहर में प्रतिदिन 174 मेगालीटर गंदा पानी नालों में जाता है, जबकि नगर निगम के 13 शोधन संयंत्र केवल 58 मेगालीटर पानी ही साफ कर पाते हैं। शेष पानी सीधे नर्मदा और हिरन नदी में मिल रहा है। वहीं डेमोक्रेटिक लायर्स फोरम के सचिव रविंद्र गुप्ता ने सुझाव दिया कि पूरे मामले की निगरानी के लिए एक समिति बनाई जाए। इसमें हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में जबलपुर के महापौर, आयुक्त, कलेक्टर, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी, समाजसेवी और वरिष्ठ अधिवक्ता शामिल हों। अदालत ने संकेत दिए हैं कि इस गंभीर मुद्दे पर अब ठोस और दूरगामी कदम उठाने की जरूरत है, ताकि नर्मदा को प्रदूषण से बचाया जा सके।